आइए, करके देखें

पहेली बूझना

यह खेल गतिविधि कक्षा 4 से 6 तक के बच्चों के साथ की जा सकती है। कक्षा में इसे करवाने के लिए 4 या 5 समूह बनाए जा सकते हैं। एक समूह में 3 से 5 बच्चे हो सकते हैं।

चित्र : शिवेन्द्र पांडिया

स्तर 1 : बच्चे पहले अपने-अपने समूहों में बैठकर एक दूसरे से पहेलियाँ साझा करेंगे। हर समूह को कम-से-कम पाँच पहेलियाँ सोचनी हैं। वह आपस में यह भी तय करते हैं कि उनके समूह से कब और कौन, दूसरे समूह से पहेली बूझने को कहेगा। इसके बाद, समूह 1 का एक बच्चा, समूह 2 के बच्चों को पहेली बूझने को देगा। समूह 2 का बच्चा समूह 3 के बच्चों से, समूह 3 का बच्चा समूह 4 के बच्चों, और समूह 4 का बच्चा समूह 1 के बच्चों से पहेलियाँ बूझने को कहेगा। जिस समूह से पहेली बूझने को कहा गया है उस समूह का कोई भी बच्चा पहेली बूझकर उत्तर दे सकता है। पहेली का सही उत्तर बताने के लिए 1 से 2 मिनट तक का समय पहले ही निर्धारित कर लिया जाएगा। सही उत्तर बूझने पर उस समूह के लिए सभी समूहों के बच्चे ज़ोर से लय-ताल के साथ तीन बार स्काउट तालियाँ बजाएँगे... एक-दो, एक-दो-तीन।

जब समूह का कोई भी बच्चा पहेली का सही उत्तर नहीं बूझ पाता है तब पहेली पूछने वाले समूह का कोई बच्चा उनको कुछ हिंट भी दे सकता है।

स्तर 2 : घर व घर के आस-पास के बच्चों और बड़ों से बात करके उनसे नई पहेलियाँ जानना और उन्हें इकट्ठा करना, ख़ुद नई पहेलियाँ बनाना और इन्हें अगली बार के खेल में बूझने के लिए इस्तेमाल करना।

इस गतिविधि को राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दीपचपेड़ा, खटीमा, ज़िला ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड में प्रधानाध्यापक के रूप में कार्यरत धर्मपाल गंगवार ने साझा किया है। आप अपने स्कूल में प्रयोग करते रहे हैं, और सीखने-सिखाने का सक्रिय माहौल भी बना पाए हैं।

चलो, कुछ पकाकर देखें!

चित्र : शिवेन्द्र पांडिया

विद्यार्थियों को एक साधारण व्यंजन पकाए जाने का वीडियो दिखाकर शुरुआत करें। इसके बाद, विद्यार्थियों के साथ इस बारे में चर्चा करें :

सामग्री और प्रक्रिया – काटना, गूँथना, पकाना, मसाले डालना, आदि। अगर सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता है तो क्या हो सकता है, इस बारे में बताएँ।

अब बच्चों के 4-5 समूह बनाएँ, और प्रत्येक समूह से अपना पसन्दीदा व्यंजन चुनने को कहें। प्रत्येक समूह को अपना पसन्दीदा व्यंजन पकाने की प्रक्रिया लिखनी होगी। इसके बाद, प्रत्येक समूह को निम्नलिखित बिन्दुओं पर जानकारी के साथ एक रेसिपी कार्ड बनाना होगा :

- रेसिपी का शीर्षक;
- सामग्री और उनके माप (कप या चम्मच से); और
- सरल वाक्यों में पकवान बनाने की एक चरणबद्ध विधि।

प्रत्येक समूह को अपना रेसिपी कार्ड बनाने के लिए A4 आकार का चार्ट पेपर दें, और इसे रंगीन लेखन, चित्र, तस्वीरों, आदि से सजाएँ। सभी रेसिपी कार्ड को कक्षा में सभी को देखने के लिए प्रदर्शित करें। यह गतिविधि कक्षा 4 और 5 के विद्यार्थियों के साथ की जा सकती है।

यह गतिविधि बच्चों को प्रक्रियाओं को सही क्रम में देखने, रिकॉर्ड करने, प्रस्तुत करने, और छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने में मदद करती है। यह टीम के सदस्यों के साथ सहयोग और सहकारिता को प्रोत्साहित करती है।

इस गतिविधि को अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु में संचार और प्रकाशन टीम की सदस्या चंद्रिका मुरलीधर ने साझा किया है। वह यूनिवर्सिटी में विज्ञान शिक्षा में रुचि रखने वाली एक फ़ैकल्टी भी हैं।

बीनो और छाँटो

यह खेल गतिविधि कक्षा के सभी बच्चे एक साथ कर सकते हैं। बच्चों के छोटे-छोटे समूह बनाकर भी इसे खेला जा सकता है।

सभी बच्चों को कहें कि वह कक्षा के बाहर जाकर 10 से 15 चीज़ें बीनकर लाएँ। उन्हें यह स्पष्ट करें कि तोड़कर या कहीं से निकालकर कोई उपयोगी वस्तु नहीं लाना है।

चित्र : शिवेन्द्र पांडिया

पहला चरण : जब बच्चे वस्तुएँ लेकर आएँ तो उन्हें उन वस्तुओं को छाँटने के लिए कहें। पहले चरण में, आप उन्हें वस्तुओं को मूल पदार्थ के आधार पर अलग-अलग समूहों में रखने के लिए कहें। उदाहरण के लिए, प्लास्टिक, मेटल, लकड़ी या मिट्टी से बनी वस्तुओं के अलग-अलग समूह बनाएँ। कभी आप आकार के आधार पर समूहन के लिए कह सकते हैं। जैसे– लम्बी, गोल, चौकोर या चपटी चीज़ों के अलग-अलग समूह बनाएँ। कभी रंग के आधार पर या हल्की-वज़नी चीज़ों को अलग-अलग समूह में रखने को भी कह सकते हैं। यह सब ख़ाली फ़र्श पर या बाहर मैदान पर भी हो सकता है।

दूसरा चरण : पहला चरण हो जाने के बाद, आप सभी वस्तुओं को एक बार मिला दें। अब बच्चों के अलग-अलग चार-पाँच समूह बनाएँ, और उन समूहों को एक-एक गुण दे दें। उदाहरण के लिए, एक समूह को पानी में गल जाने वाली चीज़ों का समूह बनाने को कहें। दूसरे समूह को आग में सरलता से जल जाने वाली चीज़ों का समूह बनाने को कहें। तीसरे को पेड़ पर उगने वाली चीज़ों का समूह, और चौथे को फिर से इस्तेमाल में लाई जा सकने वाली चीज़ों का समूह बनाने को कहा जा सकता है।

जब बच्चे विभिन्न गुणधर्मों वाली वस्तुओं के समूह बनाने का प्रयास कर रहे होंगे तब उनमें उन वस्तुओं को लेकर दुविधा भी होगी जो एक से ज़्यादा समूहों में शामिल होने का गुण रखती हैं। ऐसे में, बच्चों को तर्क करने दें, और शिक्षक उन्हें सुलझाने में मदद करें।

यह गतिविधि भोपाल के अनिल सिंह ने सुझाई है। वह पराग के लाइब्रेरी एजुकेटर कोर्स में बतौर फ़ैकल्टी जुड़े हुए हैं। 15 सालों से प्राथमिक शिक्षा ही उनका प्रमुख कार्यक्षेत्र है।